भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

04.12.2024 के

तारांकित प्रश्न सं. 132 का उत्तर

तमिलनाडु में नई/उन्नत यात्री सेवाएं

***132. श्री सी. एन. अननादुरई:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले वर्ष के दौरान तमिलनाडु में भारतीय रेल द्वारा शुरू की गई नई या उन्नत यात्री सेवाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या उक्त राज्य में विशेषतः उच्च यातायात वाले मार्गों पर मांग को पूरा करने के लिए अतिरिक्त रेलगाड़ियां आरंभ की गई हैं या सेवा बारंबारता में वृद्धि की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या आधुनिकीकरण पहल के रूप में उक्त राज्य के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं में कोई सुधार किया गया है;

(घ) तमिलनाडु में उक्त स्टेशनों पर दिव्यांग और बुजुर्ग यात्रियों के लिए पहुंच में सुधार के लिए शुरू की गई सुविधाओं का ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या राज्य के सभी प्रमुख स्टेशनों पर एस्केलेटर, लिफ्ट और विशेष सहायता सेवाएं शुरू करने की कोई योजना है; और

(च) उक्त राज्य में यात्री सेवाओं और सुविधाओं को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से अन्य भावी परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

तमिलनाडु में नई/उन्नत यात्री सेवाओं के संबंध में दिनांक 04.12.2024 को लोक सभा में श्री सी. एन. अननादुरई के तारांकित प्रश्न सं. 132 के भाग (क) से (च) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (च): यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करने और बेहतर यात्रा अनुभव व बेहतर संरक्षा प्रदान करने के वृहत उद्देश्य के भाग के रूप में, भारतीय रेल नेटवर्क पर 136 वंदे भारत सेवाएं शुरू की गई हैं, जिनमें तमिलनाडु राज्य में स्थित विभिन्न स्टेशनों को सेवित करने वाली 16 वंदे भारत गाड़ियां शामिल हैं। 2023-2024 के दौरान, भारतीय रेल ने आरंभिक/अंतिम आधार पर 22 नई गाड़ी सेवाएं (10 वंदे भारत गाड़ी सेवाओं सहित) शुरू की हैं, 14 गाड़ी सेवाओं का विस्तार किया है और तमिलनाडु राज्य में स्थित स्टेशनों को सेवित करने वाली 6 गाड़ी सेवाओं के फेरों में वृद्धि की है। इसके अलावा, भारतीय रेल में गाड़ी सेवाओं की शुरुआत/विस्तार/फेरों में वृद्धि करना यातायात औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता, संसाधनों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन, एक सतत प्रक्रिया है। बहरहाल, चूंकि रेल नेटवर्क राज्य की सीमाओं के आर-पार फैला हुआ है, इसलिए नेटवर्क की आवश्यकता के अनुसार, ऐसी सीमाओं के पार गाड़ियां शुरू की जाती हैं।

तमिलनाडु में स्थित स्टेशनों सहित रेलवे स्टेशनों का प्रावधान/उन्नयन तथा दिव्यांगजनों और वृद्धजनों सहित यात्रियों के लिए सुविधाओं का प्रावधान करना निरंतर चलने वाली एक सतत प्रक्रिया है तथा इस संबंध में कार्य परस्पर प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकतानुसार किए जाते हैं। वर्तमान में, रेल मंत्रालय ने भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए 'अमृत भारत स्टेशन योजना' शुरू की है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ निरंतर आधार पर स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है।

इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशनों पर सुविधाओं जैसे स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल हैं।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के अनुसार स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों छोरों के साथ एकीकरण, मल्टी-मोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर बनाने की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1337 स्टेशनों की पहचान की गई है, जिनमें से 77 स्टेशन तमिलनाडु राज्य में स्थित हैं। तमिलनाडु राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित स्टेशनों के नाम इस प्रकार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
तमिलनाडु	77	अंबासमुद्रम, अंबत्तूर, अराक्कोणम जंक्शन, अरियालुर, अवदी, बोम्मिडी, चेंगलपट्टू जंक्शन, चेन्नै बीच, चेन्नै एग्मोर, चेन्नै पार्क, चिदंबरम, चिन्ना सेलम, क्रोमपेट, कोयम्बटूर जंक्शन, कोयम्बटूर नॉर्थ, कुन्नूर, धर्मपुरी, डॉ.एम.जी.रामाचंद्रन सेंट्रल, इरोड जंक्शन, गुडुवनचेरी, गुइंडी, गुम्मिडीपूंडी, होसुर, जोलारपेट्टई जंक्शन, कन्याकुमारी, कराइक्कुडी, करूर जंक्शन, काटपाडी, कोविलपट्टी, कुलितुरई, कुंभकोणम, लालगुडी, मदुरै जंक्शन, माम्बलम, मनापरई, मन्नारगुडी, मयिलादुथुराई, मेट्टुपलयम, मोरप्पुर, नागरकोइल जंक्शन, नामक्कल, पलानी, परमाकुडी, पेरम्बूर, पोदनूर जंक्शन, पोलाची, पोलुर, पुदुक्कोट्टई, राजापलायम, रामनाथपुरम, रामेश्वरम, सेलम, सामलपट्टी, शोलावंदन, श्रीरंगम, श्रीविल्लिपुथुर, सेंट थॉमस माउंट, ताम्बरम, तेनकासी, तंजावुर जंक्शन, तिरुवरुर जंक्शन. तिरुचेंदूर, तिरुनेलवेली जंक्शन, तिरुप्पादरिप्पुलयूर, तिरुपत्तूर, तिरुप्पुर, तिरुसुलम, तिरुत्तानी, तिरुवल्लुर, तिरुवन्नामलाई, उदगमंडलम, वेल्लूर कैंट, विल्लुपुरम जंक्शन, विरुधनगर, वृद्धाचलम जंक्शन, डिंडीगुल, तूतीकोरिन

स्टेशनों के विकास और अनुरक्षण के लिए धन आवंटन का ब्यौरा योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है। तमिलनाडु राज्य दो क्षेत्रीय रेलों नामतः दक्षिण रेलवे और दक्षिण पश्चिम रेलवे के अंतर्गत आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए वित्त वर्ष 2024-25 हेतु आवंटन ₹2344.46 करोड़ है।

वृद्ध व्यक्तियों, बीमार यात्रियों की आवाजाही को सुकर बनाने और प्लेटफार्मों तक निर्बाध पहुंच के लिए, भारतीय रेल के रेलवे स्टेशनों पर एस्केलेटर उपलब्ध कराए जाते हैं। इसके अलावा, दिव्यांग यात्रियों के लिए 'सुगम्य भारत अभियान' के भाग के रूप में, विभिन्न स्टेशनों की सापेक्ष प्राथमिकता और संसाधनों की उपलब्धता व लिफ्टों के प्रावधान की व्यवहार्यता के आधार पर रेलवे स्टेशनों पर लिफ्टें उपलब्ध कराई जा रही हैं।

तदनुसार, अब तक, तमिलनाडु राज्य में 83 स्टेशनों पर 185 लिफ्टें और 30 रेलवे स्टेशनों पर 96 एस्केलेटर उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अतिरिक्त, तमिलनाडु राज्य में 37 एस्केलेटर और 107 लिफ्टों को भी मंजूरी दी गई है।

तमिलनाडु राज्य में रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के दक्षिण रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे और दक्षिण पश्चिम रेलवे जोनों में आती हैं। रेल परियोजनाओं की लागत, व्यय और परिव्यय सहित क्षेत्रीय रेल-वार विवरण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 22 परियोजनाएँ (10 नई लाइन, 03 आमान परिवर्तन और 09 दोहरीकरण) जिनकी कुल लंबाई 2,587 किलोमीटर तथा लागत ₹33,467 करोड़ है, योजना/अनुमोदन/निर्माण चरण में हैं, जिनमें से 665 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च 2024 तक ₹7,153 करोड़ का व्यय किया गया है। सारांश इस प्रकार है:-

(₹ करोड़ में)

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2024 तक किया गया व्यय
नई लाइन	10	872	24	1,223
आमान परिवर्तन	03	748	604	3,267
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	09	967	37	2,664
कुल	22	2,587	665	7,153

तमिलनाडु में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	₹879 करोड़ प्रतिवर्ष
2024-25	₹6,362 करोड़ (लगभग 7 गुना से अधिक)

रेलवे, राज्य सरकार के माध्यम से भूमि अधिग्रहण करती है और रेल परियोजनाओं का पूरा होना भूमि अधिग्रहण पर निर्भर करता है। बहरहाल, तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में देरी के कारण रुका हुआ है। तमिलनाडु में भूमि अधिग्रहण की स्थिति इस प्रकार है:

तमिलनाडु में परियोजनाओं के लिए अपेक्षित कुल भूमि	3389 हेक्टेयर
अधिगृहीत भूमि	866 हेक्टेयर (26%)
अधिग्रहण हेतु शेष भूमि	2523 हेक्टेयर (74%)

भारत सरकार परियोजनाओं को निष्पादित करने के लिए प्रतिबद्ध है, तथापि सफलता तमिलनाडु सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है।

****